रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 230 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 09 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश

कई इलाकों में पानी भरने से पटरी से उतरा जनजीवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार देर रात से झमाझम बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के कई इलाके जलमग्न हो गए तथा सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राजधानी में भारी बारिश के कारण कई उड़ान संचालन पर भी इसका बुरा असर पड़ा है। बड़ी संख्या में विमानों ने देर से उड़ान भरी।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ने यात्रियों को उड़ानों की जानकारी के लिए अपनी-अपनी एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी। एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा कि मौसम प्रतिकूल है, हालांकि परिचालन इस समय सामान्य है। इंडिगो और स्पाइसजेट ने यात्रियों को शहर में ट्रैफिक जाम को लेकर अलर्ट रहने के लिए कहा है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने स्पष्ट किया कि बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई उड़ानों को डाइवर्ट किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक सुबह साढ़े पांच बजे से साढ़े आठ बजे तक सफदरजंग के इलाके 49.6 मिमी., पूसा में 47.0, मयूर विहार में 42.0, प्रगति मैदान में 40.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। राजधानी के कई इलाकों आईटीओ, मुनीरका मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-1, मोती बाग, एपीएस कॉलोनी, अकबर रोड, साउथ एवेन्यू, रंजीत सिंह फ्लाईओवर, मंडी हाउस, मिंटो रोड, संगम विहार, वसंत कुंज, आरके पुरम, कनॉट प्लेस, पंचकुइयां मार्ग, भजनपुरा, यमुना विहार, करावल नगर समेत कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई। राजधानी के अधिकतर कॉलोनियों में घुटनों-घुटनों तक पानी भर गया और कई इलाकों में लोग घरों में घुसे हुए पानी को निकालते हुए देखे गए। राजधानी में यमुना का जलस्तर सुबह आठ बजे तक 204.4 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी स्तर 204.5 मीटर से महज 10 सेमी. कम है। आमतौर पर यमुना नदी के खतरे का स्तर 205.33 मीटर है। राजधानी से सटे गाजियाबाद में सुबह से हो रही बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग नौ के पास स्थित विजय नगर अंडरपास और रेलवे स्टेशन जाने वाली मुख्य सड़क पर पानी भर गया। इस इलाकों में वाहन पानी रेंगते हुए नजर आ रहे हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई सड़कें जलभराव की स्थिति बनी रही।

नोएडा में मानसून का असर पूरे दिन दिखा

नोएडा (चेतना मंच)। रक्षाबंधन के दिन नोएडा में मानसून का असर पूरे दिन देखने को मिला। सुबह से ही बादलों ने आसमान पर डेरा डाल रखा था और बीच-बीच में हुई हल्की से मध्यम बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहा, लेकिन उमस ने लोगों को राहत का पूरा आनंद नहीं लेने दिया। बारिश के चलते कई इलाकों में सड़कें और गलियां पानी से भर गईं, जबकि गीली रेत और भीगे पेड़ों ने शहर के नज़ारों को और मनमोहक बना दिया। शाम के वक्त हुई हल्की बूंदाबांदी ने वातावरण को ठंडा कर दिया, मगर हवा में नमी के कारण चिपचिपापन बरकरार रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में भी हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आएगी, लेकिन उमस से राहत मिलना फिलहाल मुश्किल है।

आईसीआईसीआई बैंक ने मध्यम वर्ग को दिया झटका

सेविंग अकाउंट पर न्यूनतम औसत बैलेंस सीमा को पांच गुना तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने सेविंग अकाउंट में न्यूनतम औसत बैलेंस सीमा में पांच गुना तक का इजाफा कर दिया है, जिसके बाद ग्राहकों को पहले के मुकाबले अधिक राशि अपने बचत खाते में रखनी होगी। बैंक की ओर से मेट्रो, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण सभी क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए न्यूनतम औसत बैलेंस सीमा में वृद्धि की गई है। आईसीआईसीआई बैंक के मुताबिक, अब मेट्रो और शहरी क्षेत्र के ग्राहकों को अपने बचत खाते में एक महीने के दौरान न्यूनतम 50,000 रुपए का औसत बैलेंस रखना होगा, पहले यह सीमा 10,000 रुपए थी। वहीं, अर्ध-शहरी क्षेत्र के ग्राहकों को अब महीने के दौरान औसत 25,000 रुपए का न्यूनतम औसत बैलेंस सेविंग अकाउंट में रखना होगा। पहले यह सीमा 5,000 रुपए थी। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों के लिए औसत मासिक बैलेंस सीमा को 2,500 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दिया गया है। आईसीआईसीआई बैंक की सेविंग अकाउंट के लिए नई न्यूनतम औसत बैलेंस की सीमा एक अगस्त से पूरे देश की सभी ब्रांच में प्रभावी हो गई है। आईसीआईसीआई बैंक 50,000 रुपए की अनिवार्यता के साथ, देश में सबसे अधिक न्यूनतम औसत बैलेंस सीमा वाले घरेलू बैंकों में से एक बन गया है। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक जो 1 अगस्त से संशोधित न्यूनतम राशि बनाए रखने में विफल रहेंगे, उन्हें अपडेटेड शुल्क अनुसूची के अनुसार पेनल्टी का सामना करना पड़ेगा। एक तरफ आईसीआईसीआई जैसे निजी बैंक न्यूनतम औसत बैलेंस की सीमा को बढ़ा रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ सरकारी बैंक इस अनिवार्यता को समाप्त कर रहे हैं।

पुलिस ने शराब तस्कर को दबोचा

दादरी। थाना दादरी पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 66 पव्वे हरियाणा मार्का अवैध शराब और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि थाना पुलिस टीम ने बिरयानी पुलिया से नारायणा स्कूल की ओर जाने वाली सड़क पर चेकिंग के दौरान आरोपी सनी पुत्र विजेंद्र सिंह, निवासी काशीराम आवास, ज्यू-2, ग्रेटर नोएडा को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 66 पव्वे हरियाणा मार्का अवैध शराब और एक अवैध चाकू बरामद हुआ।

ई-रिक्शा की टक्कर से महिला का पैर तीन जगह से टूटा

गाजियाबाद। नेहरू नगर के आनंद विहार इलाके में ई-रिक्शा चालक ने घर के बाहर खड़ी महिला को टक्कर मार दी। घटना में महिला के पैर की हड्डी तीन जगह से टूट गई। टक्कर मारने वाले ई-रिक्शा में महिला के ससुर ही बैठकर आ रहे थे। महिला के पति की शिकायत पर सिहानी गेट पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। नेहरू नगर के आनंद विहार इलाके में रहने वाले सुमित बैसोया का कहना है कि तीन अगस्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके पिता सतबीर बैसोया ई-रिक्शा में बैठकर घर आ रहे थे।

सफाई व्यवस्था को लेकर नोएडा प्राधिकरण सख्त

गंदगी फैलाना एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर चलाया अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन कर इनाम पाने वाले नोएडा प्राधिकरण की टीम ने एक बार फिर कड़ाई से पालन करते हुए स्वच्छता के प्रति दिशा निदेशों का पालन कर टीम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक एवं गंदगी फैलाने वालों पर अर्थ दंड लगाकर चालान की कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, परियोजना अभियंता गौरव बंसल तथा इंस्पेक्टर जगपाल सिंह की टीम द्वारा विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर कार्रवाई की गई।

सेक्टर 32 में बेल्जियम फ्रांसस एवं चिलाको पिज्जा फूड कॉर्नर पर सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करते पाए जाने पर 25000 का चालान कर जुर्माना लगाया। इसी तरह सेक्टर 51 कलोड 9 अस्पताल के सामने कुछ सब्जी वाले ठेला लगाया करते हैं और वे वही गंदगी करते हैं ,वहां चेतावनी दी गई। ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने बताया कि प्राधिकरण फिर से स्वच्छता अभियान में भाग लेकर इस प्रकार का अभियान चला रही है।

राउंड ट्रिप के रेल किराए में छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने त्योहारी सीजन के दौरान लंबी छुट्टी जाने वालों के लिए राउंड ट्रिप (आने-जाने दोनों) का टिकट बुक कराने पर मूल किराए में 20 प्रतिशत छूट की घोषणा की है। रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। दोनों यात्राओं के लिए यात्री विवरण, यात्रा श्रेणी तथा मूल और गंतव्य स्थान की जोड़ी समान होनी चाहिये। इस योजना के अंतर्गत बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी और जाने की यात्रा 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर बीच की जा सकेगी, जबकि वापसी की यात्रा 17 नवंबर से एक दिसंबर के बीच शुरू होनी चाहिये। योजना के तहत बुकिंग के लिए अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) की 60 दिन की सीमा लागू नहीं होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने तबाह किए थे पाकिस्तान के 6 विमान

वायुसेना ने किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार करते हुए उसके छह विमान मार गिराए थे। भारत ने पाकिस्तान के जिन विमानों को मार गिराया, उनमें 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान शामिल थे। इनमें अलावा एक इंटेलिजेंस कलेक्ट करने वाला विमान भी भारतीय सेना ने ढेर किया। शनिवार को भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने यह जानकारी दी।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे व्याख्यान में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा पाकिस्तानी एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को भी भारत ने ढेर कर दिया। यह विमान हवाई निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने से जुड़े काम में मदद करता है। वायुसेना के मुताबिक पाकिस्तानी सेना के विमानों को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। जानकारी के मुताबिक जैकोबाबाद एयरबेस पर खड़े कुछ विमानों को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने बोलारी एयरबेस पर सटीक हमलों में एक पाकिस्तानी एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को ध्वस्त किया। वायुसेना के अनुसार यह जानकारी विश्वसनीय खुफिया इनपुट्स पर आधारित है।

गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में एस-400 सिस्टम का पहली बार इस्तेमाल हुआ था। माना जा रहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान व उसके तुरंत बाद यह वास्तविक जानकारी इसलिए बाहर नहीं आई क्योंकि तब भारतीय वायुसेना तकनीकी इनपुट्स का विश्लेषण कर रही थी।

गौरतलब है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी, जिसके बाद भारत ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसके तहत पाकिस्तान के भीतर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

कैब चालक को बंदूक दिखाकर लूटा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां पर बदमाश कैब लूटकर चालक को निवाड़ी गंगनहर के पास फेंक गए। आरोपी ने जिला गौतमबुद्धनगर से मेरठ के लिए कैब बुक की थी।

फिर निवाड़ी पहुंचने पर तमंचा लगाकर कैब लूटी। जब चालक ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी। आरोपी का नाम जाकिर है। उसको पीटने के बाद गले में चाकू मारकर घायल कर दिया। फिर रस्सी से बांधकर गंगनहर किनारे फेंका। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

गिरफ्तारी देने पहुंची महिला ने पुलिस को बांधी राखी, मिठाई खिलाकर लौटाया घर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रक्षाबंधन के दिन ग्रेटर नोएडा में एक अनोखा मामला सामने आया, जब प्राधिकरण द्वारा दर्ज मुकदमे में गिरफ्तारी देने पहुंची महिला ने थाने में पुलिसकर्मियों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। पुलिस ने भी त्योहारी अंदाज में महिला को सम्मानपूर्वक वापस भेज दिया।

सेक्टर अल्फा-2 निवासी सविता शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने सेक्टर में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी को रोका, जिसके चलते प्राधिकरण की ओर से उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। सविता का कहना है कि शनिवार को उन्हें 'हाउस अरेस्ट' में रखा गया और दोपहर करीब 1 बजे वह खुद बीटा-2 कोतवाली में गिरफ्तारी देने पहुंचीं।

इससे पहले घर के बाहर उनकी पुलिसकर्मियों से कहासुनी भी हुई थी। कोतवाली प्रभारी के अनुसार, सविता शर्मा को थाने में समझा-बुझाकर वापस घर भेज दिया गया।

नोएडा में 250 एकड़ जमीन पर बनेगा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क

ग्रेटर नोएडा। अलीगढ़ के टप्पल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क परियोजना का काम धरातल पर जल्द शुरू होगा। जमीन अधिग्रहण के लिए चल रही सामाजिक समाघात निर्धारण सर्वे (एसआइए) सितंबर तक पूरा हो जाएगा।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय अगले माह ड्राफ्ट रिपोर्ट प्रशासन को सौंप देगा। शासन से रिपोर्ट स्वीकृत होने के बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक यीडा के टप्पल में अधिसूचित क्षेत्र में करीब 250 एकड़ में लाजिस्टिक पार्क बनाने की योजना है। इसके लिए श्यारौल व डोरपुरी गांव की जमीन अधिगृहीत की जाएगी।

इसमें 12 वेयर हाउस और 6 से अधिक भंडारण केंद्र बनेंगे। परियोजना में 640 करोड़ के निवेश का अनुमान है। दस हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने के लिए यीडा रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) तैयार करा रहा है।

अलीगढ़ जिला प्रशासन यीडा के प्रस्ताव पर जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई कर रहा है। शासन ने एसआइए के लिए गौतमबुद्ध नगर को एजेंसी नामित किया था। टीम के प्रभारी विवेक मिश्रा का कहा है कि सितंबर में एसआइए रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट के नजदीक होने के कारण टप्पल क्षेत्र में कालोनाइजर काफी सक्रिय है। बड़े पैमाने पर कॉलोनी काटी जा रही है। प्राधिकरण कई बार अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करने की कार्रवाई कर चुका है। पिछले दिनों अलीगढ़ पुलिस ने भी कालोनाइजर व भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई की थी।

अवैध कॉलोनी के कारण प्राधिकरण की योजनाएं प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यीडा ने लॉजिस्टिक पार्क के अतिरिक्त 17000 हेक्टेयर और जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजा था। इस पर भी कार्रवाई चल रही है।

om EVER GREEN SWEETS
Happy रक्षाबंधन एवं स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आपके शहर में विश्वसनीय, शुद्धता एवं स्वच्छता के लिये मशहूर प्रतिष्ठान
काजू कतली, डोडा बर्फी, रसमलाई, स्पंज रसगुल्ला, पनीर, जलेबी, इमरती, सोनपापड़ी, बालूशाही, मोतीचूर लड्डू, बर्थडे केक, पेस्ट्री चॉकलेट, पेटिज, बर्गर, पिज्जा, गोलगप्पे, टिक्की, छोले भटूरे, पॉवभाजी, स्पेशल वैज थाली, समोसे, ब्रेड पकोड़ा, ढोकला इत्यादि ।
नोट: शुभ अवसरों पर कैटरिंग की भी व्यवस्था है।
Shop No. 16, Bougainvillea Shopping Complex, Sector Gamma-II (Near Gr. Noida Authority) Greater Noida Ph.: 0120-4283052 Mob.: 9210005711
ALPHA II: Shop No. 4, Satyam Shopping Complex, Sector Alpha-II Gr. Noida, Mo.: 9643692200
OMEGA II: Shop No. 1, Star Plaza Ansal Golf Link, Mob.: 9990491275, 9210080229
Sector 36: Shop No. 8, Greno City Plaza, Opp. Ivory Hospital, Sector-36, Mob.: 9811900795
CHI-V: Shop No. 39 & 40 Nimbus Express View Opp. Poorvanchal Royal City Mob. 8448818119
OMICRON 3: Shop No.1, Pulmeria Garden Shopping Complex, Mob.:8882462343
Sector 134: Shop No.1, JP Green Wish Town, Wazidpur, Noida Mob.: 9667773004, 8750355500
9210005711, 9313422939, 0120-4283052
Branch : Shop No.8, Greno Plaza, Opporite Ivory Hospital, Sec.-36, GB Nagar Mob.: 9811900795, 8882462343

कर्ज का मर्ज

कभी देश की किसानी के लिये आदर्श कहे जाने वाले पंजाब के किसान आज कर्ज के मर्ज से इतना क्यों त्रस्त होते जा रहे हैं, यह गंभीर विमर्श का विषय होना चाहिए। निस्संदेह, मौजूदा हालात में कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। हाल ही में लोकसभा में पेश की गई नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट की रिपोर्ट पंजाब के किसानों की गंभीर वित्तीय स्थिति को उजागर करती है। जो उन्हें देश में संस्थागत ऋण लेने वाले किसानों की सूची में शीर्ष पर रखती है। यह रिपोर्ट कई चौंकाने वाले खुलासे करती है। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है कि राज्य के लगभग पच्चीस लाख किसानों ने कृषि कार्यों के लिये विभिन्न बैंकों से ऋण लिया है। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक किसान पर करीब तीन लाख रुपये का कर्ज चढ़ा है। इससे पहले देश की संसद को सूचित किया गया था कि पंजाब में वर्ष 2017 से 2021 तक करीब एक हजार किसानों ने अपनी जीवन लीला आत्महत्या करके समाप्त कर ली थी। दरअसल, जांच-पड़ताल में यह बात भी सामने आई थी कि इन आत्महत्याओं के मूल में कर्ज का भारी बोझ ही था। कर्ज न चुका पाने या कर्ज वसूली के तौर-तरीकों से आहत किसान मौत को गले लगाना अंतिम समाधान मानने लग जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस संकट से सिर्फ किसान ही जूझ रहे हैं, कमोबेश खेतिहार मजदूरों के लिये भी परिदृश्य उतना ही निराशाजनक है। दरअसल, पिछले साल अर्थशास्त्रियों के पटियाला स्थित एक थिंक टैंक द्वारा कराये गये एक अध्ययन में पाया गया कि पंजाब में खेतों में काम करने वाले मजदूरों पर उनकी वार्षिक आय से चार गुना कर्ज चढ़ा हुआ था। यह कर्ज औसतन चौबीस हजार रुपये बताया गया था। यह अध्ययन कई गंभीर मुद्दों की ओर ध्यान दिलाता है। इस अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 2015 से 2019 के बीच 898 खेतिहर मजदूरों ने भी आत्महत्या करके जीवन लीला समाप्त कर ली थी। निस्संदेह, ये हालिया आंकड़े कृषि की चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करते हैं। वहीं दूसरी ओर ये आंकड़े उन कृषि नीतियों पर सवालिया निशान लगाते हैं, जो अनाज उत्पादक किसानों की आर्थिक परेशानियों को कम करने के लिये लागू करने की बात देश के नीति-नियंता करते हैं। पंजाब की आम आदमी सरकार विगत में दावे करती रही है कि वह अपनी किसान कल्याण नीति के निर्माण की दिशा में तेजी लायेगी। साथ ही यह भी कह रही है कि वह चुनाव के दौरान किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिये किये गये वायदे को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह साफ है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान लाई गई ऋण माफी योजना के प्रभावी परिणाम सामने नहीं आये हैं। जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि किसानों की किस्मत बदलने के लिये सिर्फ राहत पैकेज से काम नहीं चलेगा। इसके लिये कुछ ठोस कदम उठाने की भी जरूरत होगी। दरअसल कृषि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिये प्रभावी और महत्वपूर्ण स्थायी कदम उठाने की जरूरत है। मौजूदा ऋण संकट के अलावा नीति-नियंताओं को लगातार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बीच व्यापक रणनीति बनाने की जरूरत होगी। इसके अंतर्गत जहां पर्यावरण अनुकूल और अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्मों के विविधीकरण पर बल देने की जरूरत है, वहीं भूजल संकट को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी। साथ ही फसलों के उन बीजों के शोध व अनुसंधान पर भी काम करना होगा जो कम बारिश व अधिक तापमान के बीच उत्पादकता को बढ़ा सकती हैं। अन्यथा हमारी खाद्य शृंखला संकट में पड़ सकती है। इसमें पराली जलाने से उपजे संकट का भी समाधान निकालना होगा। इसमें दो राय नहीं कि जो किसान देश के नागरिकों की थाली में भोजन पहुंचाने के लिये तन झुलसाती गर्मी, रक्त जमाती सर्दी और बारिश में कड़ी मेहनत करते हैं, वे बेहतर सुविधाओं के हकदार हैं। ताकि उनके लिये कृषि महज घाटे का सौदा साबित न हो।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो सुख के पुंज, मोह से परे तथा ज्ञान, वाणी और इन्द्रियों से अतीत हैं, वे भगवान दशरथ-कौसल्या के अत्यन्त प्रेम के वश होकर पवित्र बाललीला करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि राम जगत पितु माता। कोसलपुर बासिन्ह सुखदाता॥
जिन्ह रघुनाथ चरन रति मानी। तिन्ह की यह गति प्रगट भवानी॥

इस प्रकार (सम्पूर्ण) जगत के माता-पिता श्री रामजी अवधपुर के निवासियों को सुख देते हैं, जिन्होंने श्री रामचन्द्रजी के चरणों में प्रीति जोड़ी है, हे भवानी! उनकी यह प्रत्यक्ष गति है (कि भगवान उनके प्रेमवश बाललीला करके उन्हें आनंद दे रहे हैं)॥

रघुपति बिमुख जतन कर कोरी। कवन सकइ भव बंधन छोरी॥
जीव चराचर बस कै राखे। सो माया प्रभु सों भय भाखे॥

श्री रघुनाथजी से विमुख रहकर मनुष्य चाहे करोड़ों उपाय करे, परन्तु उसका संसार बंधन कौन छुड़ा सकता है। जिसने सब चराचर जीवों को अपने वश में कर रखा है, वह माया भी प्रभु से भय खाती है॥

भृकुटि बिलास नचावइ ताही। अस प्रभु छाड़ि भजिअ कहु काही॥
मन क्रम बचन छाडिचतुराई। भजत कृपा करिहहिं रघुराई॥

भगवान उस माया को भौंह के इशारे पर नचाते हैं। ऐसे प्रभु को छोड़कर कहो, (और) किसका भजन किया जाए। मन, वचन और कर्म से चतुराई छोड़कर भजते ही श्री रघुनाथजी कृपा करेंगे॥

(क्रमशः...)

रक्षाबंधन : अटूट रहेगा भाई-बहन का रिश्ता

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट प्यार, सम्मान और विश्वास का प्रतीक होता है। इस बार यह पर्व 09 अगस्त 2025 को मनाया जा रहा है। रक्षाबंधन का पर्व सिर्फ एक धागा बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि जीवन भर साथ निभाने का वादा है। रक्षाबंधन का पर्व खुशी, हंसी और प्यार से भरा होना चाहिए। लेकिन कुछ ऐसी गलतियां होती हैं, जो इस दिन करने से भाई-बहन के पवित्र रिश्ते में दरार आ सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

अक्सर घरों में माता-पिता या बड़े-बजुर्गों द्वारा बच्चों में किसी न किसी तरह का भेदभाव कर जाते हैं। चाहे वह तोहफों को लेकर हो, प्यार दिखाने में हो या जिम्मेदारियां बांटने में हो। रक्षाबंधन के दिन ऐसा बिलकुल भी नहीं करना चाहिए। सभी भाई-बहनों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

रक्षाबंधन पर उपहार देने की एक परंपरा होती है। ऐसे में महंगी चीजों की उम्मीदें न रखें। बल्कि प्यार और भावना से दिए गए उपहार की अहमियत रखें। उपहार की कीमत से रिश्ते की कीमत को कम न करें।

रक्षाबंधन के दिन गलतियों, पुरानी लड़ाइयों या शिकायतों को याद करने से बचना चाहिए। रक्षाबंधन का दिन नई शुरूआत और माफ करने का दिन है। पुरानी बातों को याद करने से रिश्ते में फिर से दरार आ सकती है। इसलिए इस दिन सकारात्मक रहें और एक-दूसरे के प्रति प्यार जाहिर करें।

भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार हम अपने रिश्तों के समय नहीं दे पाते हैं। रक्षाबंधन के दिन ऐसा नहीं करना चाहिए। यह सिर्फ रस्म निभाने का दिन नहीं है, बल्कि साथ में अच्छा समय बिताने का भी दिन है। इस दिन भाई-बहन आपस में बात करें और पुरानी और अच्छी यादों को ताजा करें।

बता दें कि भाई-बहन का रिश्ता बहुत अनमोल होता है। इस बात को हमेशा याद रखना चाहिए।

कई बार भाई-बहनों में अनजाने में एक-दूसरे को लेकर जलन की भावना आ जाती है। इसलिए करियर, शिक्षा या फिर किसी अन्य चीज को लेकर एक-दूसरे को खुद से बेहतर साबित करने का प्रयास न करें।

रक्षाबंधन के शुभ मौके पर तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए। इससे आपके रिश्ते में दरार पड़ सकती है।

रक्षाबंधन के शुभ मौके पर भाई-बहन को लाल, पीले या फिर किसी अन्य रंग के कपड़े पहनने चाहिए। लेकिन गलती से भी इस दिन काले कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

राखी बांधने के लिए 7 घंटे 37 मिनट का समय

बहन भाई को राखी बांधती है। हिंदू धर्म में शुभ मुहूर्त में कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है। रक्षाबंधन के दिन भी शुभ मुहूर्त में राखी बांधना शुभ होता है। इस वर्ष रक्षाबंधन या रखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः काल से ही आरम्भ हो जाएगा। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष भद्रा से पूरी तरह मुक्त रहेगा। करीब 40 वर्षों बाद बन रहे इस संयोग की वजह से बहनें बिना किसी दोष के पूरे दिन भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। इस वर्ष रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, सौभाग्य योग, बुधादित्य योग सहित बृहस्पति और शुक्र की युति व चंद्रमा का श्रवण नक्षत्र में गोचर इस दिन को और भी पुण्यदायी बना रहे हैं।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

इस दिन रक्षा बंधन का शुभ मुहूर्त सुबह से ही शुरू हो जाएगा, लेकिन राखी बांधने के लिए दोपहर 1.24 मिनट तक का ही समय है, इसके बाद भाद्रपद मास की प्रतिपदा तिथि आरम्भ हो जाएगी। राखी बांधने के लिए सावन मास की पूर्णिमा तिथि ही उत्तम रहती है। विशेष मुहूर्त सुबह 5.39 बजे से दोपहर 1.24 बजे तक है। 9 अगस्त 2025 को दिन में 1.23 बजे तक रक्षा बंधन का कार्य किया जाएगा। इस दिन आयुष्मान एवं सौभाग्य योग एवं स्थिर योगा व्याप्त रहेगा। इस साल राखी बांधने के लिए कुल 7 घंटे 37 मिनट का समय मिलेगा।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों

सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में थोड़ी सी परेशानी या बहुत अच्छा नहीं होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वयं के स्वास्थ्य और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन की चिंता सताएगी। गर्मजोशी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य बुझा-बुझा सा रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत लाभप्रद नहीं होगा। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी से बचें। अभी मनमुताबिक परिणाम नहीं आएगा। राजनीतिक स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें। मध्यम भाग्य का निर्माण होगा। यात्रा अभी छोड़ दें, न करें।

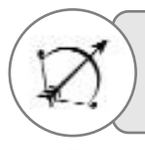

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। भावुकता पर काबू रखें।

रक्षाबंधन पर महिलाओं ने सीईओ को बांधी राखी

जीआईएमएस कॉलेज में अनूठी पहल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रक्षाबंधन महापर्व की पूर्व संध्या पर ग्रेटर नोएडा स्थित जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में महिलाओं ने एक विशेष पहल करते हुए संस्थान के सीईओ स्वदेश कुमार सिंह को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया।

संस्थान परिसर में आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में सत्तर से अधिक महिला सदस्यों—जिनमें महिला शिक्षक, एडमिशन विभाग की सदस्याएं, कर्मचारी, सफाईकर्मी और माली शामिल थे— ने तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर और राखी बांधकर पर्व का उत्सव मनाया। सीईओ स्वदेश कुमार सिंह ने बदले में सभी को चॉकलेट, मिठाई और उपहार भेंट किए।

कार्यक्रम के दौरान स्वदेश कुमार सिंह ने कहा, आज सिर्फ़ राखी नहीं बंधी, बल्कि एक संकल्प दोहराया गया कि हम सभी महिला सहयोगियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए सदैव खड़े रहेंगे। महिलाओं की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज सुधार का आधार है। जब हम सभी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो अनैतिक घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व आपसी सम्मान और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का अवसर है, और यही संदेश इस कार्यक्रम के माध्यम से देने का प्रयास किया गया है।

बच्चों के लिए मां का दूध अमृत, बोतल का दूध पहुंचा सकता है नुकसान

स्तनपान बढ़ाता है बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता, महिलाओं का वजन भी रहता है नियंत्रित

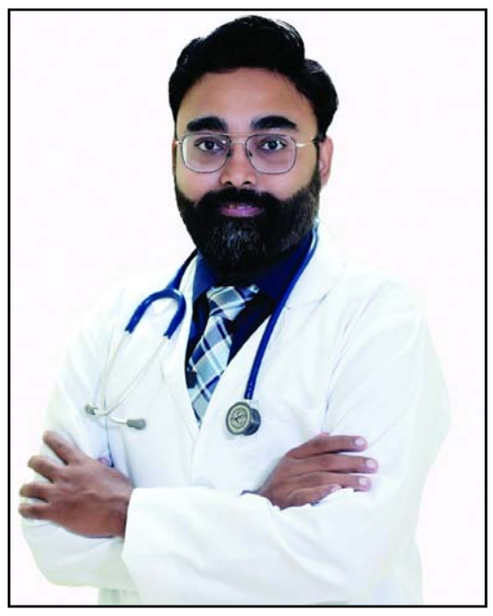

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मां का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे अनमोल उपहार है। यह न केवल बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जन्म के पहले घंटे में और पहले छह महीनों तक केवल मां का दूध देने से नवजात शिशु मृत्यु दर में 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। यह न केवल शिशु, बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है और महिलाओं का वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है।

फोर्टिस ग्रेटर नोएडा अस्पताल के पेडियाट्रिक विभाग के कंसल्टेंट डॉ. कुशाग्र गुप्ता ने बताया कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बोतल से दूध पिलाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जो शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

बोतल फीडिंग से संक्रमण, गैस, उल्टी, कब्ज, एलर्जी और मोटापे जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही, बोतल का दूध मां के दूध जैसी रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं देता। एक बार बोतल की आदत लगने पर शिशु मां का दूध छोड़ सकता है, जिससे बार-बार बीमार पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। डॉ. गुप्ता ने यह भी बताया कि महिलाओं में यह भ्रांति आम है कि स्तनपान से शारीरिक सुंदरता पर असर पड़ता है, जबकि वास्तव में स्तनपान से वजन नियंत्रित रहता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है। मां का दूध न देने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है और मां-बच्चे के भावनात्मक जुड़ाव में कमी आ सकती है।

डीएम की देखरेख में कृषि यंत्रों के लिए ई-लॉटरी संपन्न

चयनित लाभार्थियों को शीघ्र कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं : मेधा रूपम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में कृषि यंत्रों के लाभार्थी कृषकों के चयन हेतु ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। यह प्रक्रिया सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना (दलहन/तिलहन) के तहत हुई।

यह ई-लॉटरी 26 जून से 12 जुलाई के बीच कृषकों द्वारा बुक किए गए कृषि यंत्रों और फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित उपकरणों के लिए आयोजित की गई। जनपद के विभिन्न विकास खंडों के किसानों ने इसमें भाग लिया और विकास खंडवार पारदर्शी तरीके से चयन किया गया।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

पारदर्शी तरीके से चयनित हुए लाभार्थी किसान

चयनित लाभार्थियों को शीघ्र कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं और पूरी प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इस योजना से लाभ उठा सकें।

उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने जानकारी दी कि विकास खंड बिसरख में सुपर सीडर हेतु 3 किसान, विकास खंड दादरी में सुपर सीडर हेतु 4, एमपी प्लाउ हेतु 3, मिनी बेलिंग मशीन हेतु 1, रोटावेटर हेतु 2, जीरो टिल कम फर्टिसीड ड्रिल हेतु 3 और रीपर कंबाइनर हेतु 1 किसान का चयन किया गया। विकास खंड जेवर में विभिन्न कृषि यंत्रों हेतु 31 और दनकौर/जेवर में 11 किसानों का चयन हुआ। कुछ यंत्रों के लिए केवल एक-एक आवेदन प्राप्त होने पर बिना लॉटरी सीधे चयन किया गया।

छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

दादरी । रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल, दादरी की छात्राओं ने देश की रक्षा में तैनात वीर जवानों के लिए अपने हाथों से राखियां और ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ रंग-बिरंगी, कलात्मक राखियां बनाईं और उन्हें स्नेह व सम्मान के साथ सिपाहियों को समर्पित किया।

विद्यालय में आयोजित रक्षाबंधन प्रतियोगिता में कक्षा एक से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने राखियों के साथ देशभक्ति से परिपूर्ण ग्रीटिंग कार्ड भी बनाए, जिनमें सैनिकों के प्रति आभार और शुभकामनाएं व्यक्त की गईं।

प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि देश की सेवा में तैनात जवानों के लिए छात्राओं का यह स्नेहपूर्ण योगदान न केवल भावनात्मक रूप से प्रेरणादायक है, बल्कि उनमें देशभक्ति की भावना को भी प्रबल करता है। विद्यालय के प्रबंधक संदीप शर्मा ने छात्राओं के कार्य की प्रशंसा करते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

13 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की हुई बैठक

दादरी । आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक शुक्रवार को सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने की।

बैठक में सभी विभागों को अधिक से अधिक वाद चिन्हित कर, उनके पक्षकारों को नोटिस/सम्मन भिजवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया।

अपर जिला जज ने कहा कि लोक अदालत विवादों के त्वरित और आपसी सहमति से निपटान का सशक्त माध्यम है, इसलिए अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय प्रवीन रंजन सिंह, उप जिलाधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत आशुतोष गुप्ता, जिला अग्रणी प्रबंधक राजेश कटारिया, बीएसएनएल के प्रशासनिक अधिकारी संजय कुमार, और एनपीसीएल के सीनियर मैनेजर कपिल देव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान यूनियन भानु का हुआ संगठन का विस्तार

नोएडा । बरौला गांव में भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन का विस्तार हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सैकड़ो लोगों ने भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ली।

अजब सिंह कसाना ने कहा संगठन में आस्था व्यक्त करते हुए सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ली और सभी ने एक साथ रहकर संगठन को मजबूत करने की बात कही।मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन किसानों के लिए गरीबों के लिए संघर्ष करता रहता है।

इस मौके पर प्रेम सिंह ठाकुर भानु प्रताप सिंह मौजूद रहे। साथ ही पंचायत भी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता प्रेम सिंह भाटी और संचालन साहित्य कुमार चंचल ने किया।

इस मौके पर मनोज चौधरी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओर हेमू गुर्जर को राष्ट्रीय महामंत्री ,राजवीर मुखिया को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। मनोज चौधरी ने कहा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है उसे बिल्कुल ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा। सुभाष भाटी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल बेसोंया को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा भाटी, अनिल बेसोंया ,राजकुमार नागर ,महकार नागर ,राजवीर मुखिया, विकास गुर्जर ,सुभाष भाटी, सतप्रकाश अवाना ,सुनील अवाना ,प्रकाश बेसोया ,पवन ,राजेश शर्मा आदि पंचायत में उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

नोएडा । थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर वादी पर जानलेवा हमला किया था और तभी से फरार चल रहा है।

थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने पकड़े गए अभियुक्त का नाम लक्ष्मण पुत्र राजपाल को सफीपुर कट थाना नॉलेजपार्क से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश को लेकर पीड़ित के ऊपर जानलेवा हमला किया गया था। अभियुक्त के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबन्धक, गतिशक्ति, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, ई-निविदा संख्या : CPM-GS-IZN-2025-11, **कार्य का नाम :** गतिशक्ति इकाई के इज्जतनगर मण्डल, पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न कार्यों/निर्माण स्थल के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएँ प्रदान करना, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 6,10,47,180.00, **बयाना राशि** : रु. 4,55,200/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 24 (चौबीस) माह। **क्र. सं. : 2, ई-निविदा संख्या :** CPM-GS-IZN-2025-14, **कार्य का नाम :** अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के विकास के संबंध में बचे हुए कार्य का निर्माण जिसमें आरएमआर स्टेशन पर पहुँच मार्ग, केपीवी स्टेशन पर टाइप-III क्वार्टर का निर्माण, बीएचआई, केएचएच और यूजेएच स्टेशन पर वाटर कूलर केज, केपीवी स्टेशन पर यूनियन कार्यालय, केजीएम, केएचएच, बीएचआई और बीईएम स्टेशन पर पोर्च, केएचएच स्टेशन पर 2 बे पी.पी. शेल्टर, काशीपुर पीआरएस भवन की पुनः छत, केएचएच स्टेशन पर चाय की दुकान और केएचएच, केपीवी स्टेशन पर अग्रभाग का सुधार और पीलीभीत स्टेशन पर आरपीएफ/जीआरपी बैरक का निर्माण, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 9,91,01,583.90, **बयाना राशि** : रु. 6,45,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 (बारह) माह।

• बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि - **15.08.2025** • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 29.08.2025 15.00 बजे तक** • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 29.08.2025 15.30 बजे** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति, मुजाहि/डब्ल्यू-197 इज्जतनगर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/निर्माण-I,उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए **दो पैकेट सिस्टम** के अधीन खुली ई-टेंडर आमंत्रित की जाती है।

1	**कार्य का नाम एवं स्थान:** नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के डी. एल. टी. कॉम्प्लेक्स में कोचिंग अनुरक्षण सह वाशिंग लाइन स. 3, 4 और 5 पर कवर शेड का निर्माण और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के राजधानी कॉम्प्लेक्स में कोचिंग अनुरक्षण सह वाशिंग लाइन स. 9 और 10 पर कवर शेड का निर्माण और अन्य कार्य।
2	**कार्यावधि:** 18 (अट्ठारह) माह
3	**कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 3972.73 लाख (रुपये उनतालीस करोड़ बाहत्तर लाख तिहत्तर हजार मात्र)
4	**धरोहर राशि, जो जमा करानी है:** रुपये 21,36,400/- (रुपये इक्कीस लाख छत्तीस हजार चार सौ मात्र)
5	**ई-टेंडर जमा करने व खुलने की तारीख व समय:** निविदाएँ IREPS की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 30.08.2025 को 11.30 बजे तक अपलोड की जा सकती है। निविदा दाता केवल ई-टेंडर मे भाग ले सकते हैं। निविदाएँ दिनांक 30.08.2025 को 11.30 बजे खोली जाएंगी।
6	**विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र:** निविदा प्रपत्र IREPS की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 07.08.2025 से 30.08.2025 तक उपलब्ध होगी। उपरोक्त निविदा के संबंध मे अन्य सभी नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र मे दिये गए हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट पर भी देखी जा सकती है।

सं. 220-Acs-1-1281-Shed-NDLS दिनांक: 07.08.2025 2408/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

दिल्ली जं. - सीतामढ़ी - दिल्ली जं. के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारम्भ

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा दिल्ली जं.–सीतामढ़ी–दिल्ली जं. के बीच नई साप्ताहिक अमृत भारत रेल सेवा सं. 14048/14047 का शुभारम्भ किया जा रहा है। इस अमृत भारत सेवा का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली जं.–सीतामढ़ी–दिल्ली जं. अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 14048 आगमन	गाड़ी सं. 14048 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 14047 आगमन	गाड़ी सं. 14047 प्रस्थान
----	14:00	दिल्ली जं.	22:40	----
14:40	14:42	गाजियाबाद	21:25	21:27
16:53	16:55	टूण्डला जं.	17:20	17:22
20:05	20:10	कानपुर सेंट्रल	13:45	13:50
22:10	22:20	लखनऊ जं.	11:25	11:35
00:25	00:30	गोण्डा जं.	08:45	08:50
01:50	01:53	बस्ती	07:20	07:23
03:15	03:25	गोरखपुर जं.	05:25	05:35
04:10	04:12	कप्तानगंज जं.	04:06	04:08
04:50	04:52	सिसवा बाज़ार	03:46	03:48
06:33	06:35	बगहा	02:28	02:30
07:15	07:20	नरकटियागंज जं.	01:25	01:30
07:43	07:45	सिकटा	00:38	00:40
08:10	08:15	रक्सौल जं.	00:10	00:15
09:08	09:10	बैरगनियां	22:40	22:42
10:45	----	सीतामढ़ी	----	22:15

चलने के दिन: 14048 दिल्ली जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 09.08.2025 से तथा 14047 सीतामढ़ी से प्रत्येक रविवार को दिनांक 10.08.2025 से। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

2428/2025 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे आपकी सुविधा–हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रक्षाबंधन त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ

रक्षाबंधन त्यौहार के अवसर पर रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित रक्षाबंधन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

04484/04483 ह. निज़ामुद्दीन – मथुरा जं. – ह. निज़ामुद्दीन अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04484 आगमन	गाड़ी सं. 04484 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04483 आगमन	गाड़ी सं. 04483 प्रस्थान
---	10:00	ह. निज़ामुद्दीन	16:30	---
12:30	---	मथुरा जं.	---	13:00

चलने के दिन : 04484 ह. निज़ामुद्दीन से तथा 04483 मथुरा जं. से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रुँधी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कलाँ, छाता, अझई, वृन्दावन रोड एवं भूतेश्वर स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04486 ह. निज़ामुद्दीन – जींद एवं 04485 जींद – तिलक ब्रिज अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04486 आगमन	गाड़ी सं. 04486 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04485 आगमन	गाड़ी सं. 04485 प्रस्थान
---	10:30	ह. निज़ामुद्दीन	---	-----
10:35	10:36	तिलक ब्रिज	17:40	---
13:50	---	जींद	---	14:00

चलने के दिन : 04486 ह. निज़ामुद्दीन से तथा 04485 जींद से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : तिलक ब्रिज, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली, दिल्ली किशनगंज, विवेकानन्द पुरी हाल्ट, दया बस्ती, शकूर बस्ती, मंगोलपुरी, नांगलोई, मुंडका, घेवरा, बहादुर गढ़, असौदा, रोहद नगर, साँपला, ईस्माइला हरियाणा, खरावड़, अस्थल बोहर जं., रोहतक, समर गोपाल पुर, करँथी, लखन माजरा, किला ज़फरगढ़, जुलाना, जय जय वन्ती, किनाना एवं बिशनपुरा हरियाणा स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04488 पानीपत – दिल्ली एवं 04487 दिल्ली – अंबाला कैंट जं. अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04488 आगमन	गाड़ी सं. 04488 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04487 आगमन	गाड़ी सं. 04487 प्रस्थान
---	---	अंबाला कैंट जं.	17:30	---
---	10:20	पानीपत	15:36	15:37
13:10	---	दिल्ली जं.	---	13:30

चलने के दिन : 04488 पानीपत से तथा 04487 दिल्ली जं. से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : मोहरी, शाहाबाद मारकंडा, ढ़ोला माजरा, धीरपुर, ढोडा खेड़ी, कुरुक्षेत्र जं., अमीन, नीलोखेड़ी, तरावड़ी, भैनी खुर्द, करनाल, बजीदा जटां, घरौंडा, कोहंड, बाबरपुर, पानीपत, दिवाना, समालखा, भोडवाल माजरी, गन्नौर, राजलू गढ़ी, सांदल कलां, सोनीपत, हरसाना कलां, राठधना, नरेला, होलम्बी कलां, खेड़ा कलां, बादली, आदर्श नगर दिल्ली, दिल्ली आज़ादपुर एवं सब्जी मंडी स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

04490 अंबाला कैंट जं. – पानीपत अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

स्टेशन	गाड़ी सं. 04490 आगमन	गाड़ी सं. 04490 प्रस्थान
अंबाला कैंट जं.	---	20:10
पानीपत	22:30	---

चलने के दिन : 04490 अंबाला कैंट से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : मोहरी, शाहाबाद मारकंडा, ढ़ोला माजरा, धीरपुर, ढोडा खेड़ी, कुरुक्षेत्र जं., अमीन, नीलोखेड़ी, तरावड़ी, भैनी खुर्द, करनाल, बजीदा जटां, घरौंडा, कोहंड एवं बाबरपुर स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04492/04491 गाज़ियाबाद – अलीगढ़ जं. – गाज़ियाबाद अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04492 आगमन	गाड़ी सं. 04492 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04491 आगमन	गाड़ी सं. 04491 प्रस्थान
---	11:00	गाज़ियाबाद	16:00	---
13:00	---	अलीगढ़ जं.	---	13:30

चलने के दिन : 04492 गाज़ियाबाद से तथा 04491 अलीगढ़ जं. से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : मारीपत, दादरी, बोड़ाकी, अजायबपुर, दनकौर, वैर, चोला, गंगरौल, सिकन्दरपुर, खुर्जा जं., कमालपुर, डाँवर, सोमना, कुलवा एवं महरावल स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04493/04494 नई दिल्ली – रेवाड़ी – नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04493 आगमन	गाड़ी सं. 04493 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04494 आगमन	गाड़ी सं. 04494 प्रस्थान
---	10:20	नई दिल्ली	17:00	---
12:30	---	रेवाड़ी	---	14:30

चलने के दिन : 04493 नई दिल्ली से तथा 04494 रेवाड़ी से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : दिल्ली छावनी, पालम, बिजवासन, गुड़गाँव, गढ़ी हरसरु जं. एवं पटौदी रोड स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04496/04495 शामली – दिल्ली शाहदरा जं. – शामली अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04496 आगमन	गाड़ी सं. 04496 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04495 आगमन	गाड़ी सं. 04495 प्रस्थान
---	08:30	शामली	14:05	---
10:40	---	दिल्ली शाहदरा जं.	---	11:40

चलने के दिन : 04496 शामली से तथा 04495 दिल्ली शाहदरा जं. से दिनांक 09.08.2025 को।
ठहराव : कांधला, कासिमपुर खेड़ी, बड़ौत, बाग़पत रोड, खेकड़ा, नोली एवं गोकुलपुर सबोली हाल्ट स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

पर हमें फॉलो करें **उत्तर रेलवे** आपकी सुविधा - हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का भव्य समापन

नोएडा (चेतना मंच)। स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित शताब्दी महोत्सव का भव्य समापन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सेक्टर-51 नोएडा होशियारपुर में मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

समारोह की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें छात्राओं ने देशभक्ति नारों की पट्टिकाएं और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके उपरांत विद्यालय सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला

स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी

पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या दीपा भाटी, शिक्षकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में पटेल लोक सांस्कृतिक संस्थान ग्रेटर नोएडा से आए लोकगायक उदयवीर सिंह चौहान एवं पंडित शिवराम शर्मा ने देशभक्ति गीतों से वातावरण में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में काकोरी ट्रेन एक्शन को स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायक घटना बताते हुए युवाओं को इतिहास से जुड़ने और देश के लिए योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भाषण, निबंध लेखन, रंगोली एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12 की छात्रा नाज़नीन प्रथम, कक्षा 11 की छात्रा दीपाली द्वितीय, नंदनी प्रजापति तृतीय तथा कक्षा 12 की छात्रा मनीषा को सांत्वना पुरस्कार मिला, जबकि निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11 की छात्रा रश्मि प्रथम, खुशबू द्वितीय, नेहा तृतीय और कक्षा 10 की छात्रा रिया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

समापन अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, पर्यटन अधिकारी एवं प्रधानाचार्या द्वारा वृक्षारोपण किया गया। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का समापन समारोह जनपद के विभिन्न विद्यालयों व विभिन्न स्थानों पर उत्साहपूर्वक मनाया गया।

सेक्टरों में बन रहे हैं अवैध वेंडिंग जोन : फोनरवा

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. से मुलाक़ात की। बैठक में नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में चल रहे विकास कार्यों, अतिक्रमण, वेंडिंग ज़ोन और निवासियों की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा विगत वर्षों में HIG, MIG, LIG एवं EWS वर्गों के लिए अनेक आवासीय फ्लैट बनाए गए थे, जो अब जर्जर स्थिति में पहुँच चुके हैं। इन आवासीय इकाइयों के लिए एक सुस्पष्ट नवीनीकरण नीति निर्धारित की जाए, जिससे बाहरी प्लास्टर, कॉमन एरिया, सीढ़ियों आदि की मरम्मत की जा सके।

महासचिव के.के. जैन ने सेक्टरों में बिना परामर्श के बनाए जा रहे वेंडिंग ज़ोन और बढ़ते अतिक्रमण पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आरडब्ल्यूए और निवासियों द्वारा विरोध के बावजूद कई सेक्टरों में अनधिकृत फेरीवाले, ठेले और खोखे लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा और स्वच्छता दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि नोएडा की 7-स्टार स्वच्छता रैंकिंग के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने मांग की कि सभी अनधिकृत वेंडिंग ज़ोन एवं अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। बैठक में आरडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन ना देने वाले निवासियों पर कार्रवाई, पार्किंग शुल्क में कमी जैसे अन्य अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सीईओ लोकेश एम. ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर विजय भाटी, पवन यादव, उमाशंकर शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मतदाता सूची से नागरिकों के नाम काटे जाने के विरोध में प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। पूरे देश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बहाने मतदाता

सूची से नागरिकों को बाहर करने की साजिश के खिलाफ भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) गौतम बुध नगर कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर पर प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को संबोधित ज्ञापन दिया।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि बिहार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा नागरिकता की जांच के नाम पर जिस प्रकार से व्यापक पैमाने पर अल्पसंख्यकों और अन्य वंचित तबकों को मतदाता सूची से बाहर करने की साजिश की जा रही है, वह पूरी तरह से संवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी है। अब इस प्रक्रिया को पूरे देश में लागू करने की तैयारी की जा रही है! यह एक अत्यंत चिंताजनक और खतरनाक कदम है। यह साफ तौर पर भाजपा आरएसएस के उस एजेंडे का हिस्सा है।

प्रदर्शन व ज्ञापन का नेतृत्व माकपा जिला सचिव रामसागर, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता कामरेड गजेन्द्र सिंह खारी एडवोकेट, रामस्वारथ, मुकेश कुमार राघव, जोगिंदर सिंह सैनी, रवि शर्मा आदि ने किया।

चरित्र निर्माण राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता : प्रवीण आर्य

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के आह्वान पर जेपीएस पब्लिक स्कूल मकनपुर इंदिरापुरम में श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में उपनयन/यज्ञोपवीत संस्कार समारोह का आयोजन प्रदीप त्यागी की अध्यक्षता में किया गया। सैकडों बच्चों ने दुर्व्यसन त्यागने की प्रतिज्ञा ली और संकल्प लिया कि माता पिता गुरु जनों का सम्मान करेंगे। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया और यज्ञोपवीत धारण करवाया। मुख्य यज्ञमान श्रीमती आदेश त्यागी एवं विनोद त्यागी सुपुत्र शुभम त्यागी सहित रहे।

आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है हम जिन्दगी को जीना सीखें। आलस्य को छोड़ कर कार्य की सफलता के लिये निरन्तर प्रयास करते रहना जीवन की कसौटी है। जो विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं अपनी कक्षा में प्रथम आन चाहते हैं, अच्छे अंको को प्राप्त करना चाहते हैं तो उन्हें सुख की चिन्ता नहीं करनी चाहिए उनकी लगातार मेहनत और ईश्वर में विश्वास तथा गुरुओं के प्रति श्रद्धा का भाव कठिन से कठिन मंजिल तक पहुंचा देगी।

वेदांतम पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक ललित त्यागी ने कहा कि बच्चों के सीखने के दो स्थान है घर से और स्कूल से दादा दादी,नाना नानी वाले संस्कार आज बच्चों को नहीं मिल पा रहे अब जो विद्यालय हैं उनकी जिम्मेवारी और बढ़ जाती है हमारी जो संस्कृति है उससे हम विमुख हो रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राधे श्याम त्यागी पार्षद मकनपुर, मीरा आर्या, राकेश आहूजा, दिग्विजय सिंह, प्रदीप गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रदीप त्यागी आदि ने अपने विचार रखें।

मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य (प्रांतीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उ प्र) ने कहा कि हिंदू समाज संगठित हो तभी समाज सुरक्षित रह सकता है। चरित्रवान युवा ही राष्ट्र विरोधी ताकतों का मुकाबला कर सकते हैं क्योंकि चारित्रिक बल ही सबसे बड़ा बल होता है।

नौएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक आर.पी सिंह (जल) द्वारा ग्राम बरौला का दौरा किया गया, जिसमें जल, सिविल एवं ई एंड एम विभाग की टीमों ने ग्रामवासियों के साथ सहभागिता की। इस दौरान ग्राम से सम्बंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-टैकजोन-4 में फ्यूजन होम्स, चैरी काउंटी, ग्रीन आर्च सोसाइटी के मार्केट में सभी दुकानदारों से नीला व हरा डस्टबिन रखने की अपील की गई। लाउडस्पीकर के माध्यम से अनाउंसमेंट कर कूड़ा इधर उधर न फेकने व साफ सफाई में सहयोग करने की भी अपील की गई।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

शोधकर्ताओं को सहयोग कर रहा है डीआरडीओ : डॉ. रंजना

एमिटी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'फ्लूट 2025' का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा द्रव और तापीय इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'फ्लूट 2025' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए डीआरडीओ मुख्यालय की डायरेक्टोरेट ऑफ फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट की निदेशक डा एन रंजना ने कहा कि वर्तमान समय मे नवाचार की अत्यंत आवश्यकता है, और जब तक आप असफल नहीं होते, तब तक आप नवाचार नहीं कर सकते। अंतिम परिणाम प्राप्त करने से पहले कई बार प्रयास करने पड़ते हैं। डीआरडीओ शोधकर्ताओं को बड़े पैमाने पर सहयोग दे रहा है, डा रंजना ने कहा कि आपको कुछ इस तरह के शोध करने चाहिए जो रक्षा क्षेत्र के लिए उपयुक्त हो।

भारतीय नौसेना की वॉर शिप डिजाइन ब्यूरों की लेफ्ट कमांडर सुश्री तावीशी सिंह ने कहा कि मुझे एमिटी विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने पर गर्व है और नौसेना अधिकारी के रूप में मेरे सफल करियर में एमिटी विश्वविद्यालय की बहुत बड़ी भूमिका रही है। एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई के दौरान मैंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग का विकल्प चुना था और यहां मुझे जो प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला, उसने मेरे करियर को एक बड़ा आकार दिया है। उन्होंने छात्रों से अपने समय का सदुपयोग करने और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए हर अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा मनोज पांडेय ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

स्वतंत्रता दिवस 2025 से पहले अंतरराज्यीय समन्वय बैठक आयोजित

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा, राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों ने लिया भाग

■ हर एजेंसी की एकजुटता से होगी समारोह की सुरक्षा सुनिश्चित: एसबीके सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस 2025 के सफल और सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिल्ली पुलिस मुख्यालय में एक अंतरराज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने की।

इस उच्चस्तरीय बैठक में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान और चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा, केंद्रीय खुफिया और प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधियों तथा दिल्ली पुलिस के विशेष सेल, अपराध शाखा, यातायात, खुफिया और सुरक्षा इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

आतंकवाद-रोधी रणनीतियों पर चर्चा

बैठक में आतंकवाद विरोधी उपायों, सीमा जांच, संदिग्ध तत्वों के सत्यापन, ड्रोन और पैराग्लाइडर गतिविधियों पर नियंत्रण, और अवैध हथियारों/नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

संयुक्त रणनीति का आह्वान

अधिकारियों ने एनसीआर में सक्रिय अंतरराज्यीय अपराध गिरोहों की गतिविधियों पर भी चिंता जताई और इनके खिलाफ संयुक्त कार्य योजना तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यातायात प्रतिबंध और सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सभी राज्यों से समन्वित प्रयासों की अपील की गई।

वांछित अपराधी सुरेन्द्र गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य ज़िले की मादक द्रव्य निरोधक प्रकोष्ठ (एंटी-नारकोटिक्स सेल) की टीम ने डकैती के एक मामले में न्यायिक कार्यवाही से बच रहे उद्घोषित अपराधी सुरेन्द्र (48) को तीस हजारी इलाके से गिरफ्तार किया है। वह कमला मार्केट थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 91/2025 के तहत वांछित था और अदालत द्वारा 9 जुलाई 2025 को उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि पुलिस टीम ने तकनीकी व मैन्युअल निगरानी के जरिए आरोपी की तलाश की। मुखबिर से मिली सूचना पर 6 अगस्त को टीम ने कार्रवाई करते हुए सुरेन्द्र को तीस हजारी क्षेत्र से दबोच लिया। सुरेन्द्र लंबे समय से सजा से बचने की कोशिश में छिपा हुआ था।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे 'नो गन्स, नो गैंग्स' अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 20 वर्षीय आरोपी कृष जायसवाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अत्याधुनिक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर विश्वेंद्र चौधरी के पर्यवेक्षण और एसीपी ऑपरेशंस रामअवतार के निर्देशन में एसआई पवन कुमार, एएसआई राजेंद्र, एचसी आदेश, एचसी सुधीर पाल और कांस्टेबल रवि की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी कृष जायसवाल पालम कॉलोनी, राज नगर-क्कका निवासी है और पहले भी एक मारपीट के मामले में थाना पालम में शामिल रह चुका है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना डाबरी में एफआईआर संख्या 498/25, धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाया स्नैचिंग केस, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी जिले के बाड़ा हिंदू राव पुलिस थाना क्षेत्र में मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद कर ली है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद अरशद उर्फ मक्खी (27) और मोहम्मद अनस (22) के रूप में हुई।

डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि घटना 5 अगस्त की रात करीब 9:15 बजे डीसीएम चौक के पास हुई थी, जब पीड़ित, सदर बाजार से अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रास्ते में बात करने के लिए जैसे ही उन्होंने अपना सैमसंग मोबाइल निकाला, स्कूटी सवार दो युवकों ने फोन छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू की और तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। डीसीपी के अनुसार, जांच के बाद आरोपियों की पहचान मोहम्मद अरशद उर्फ मक्खी और मोहम्मद अनस के रूप में हुई। 6 अगस्त को आजाद मार्केट से दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि वे शराब के शौक के चलते अपराध की राह पर चले थे।

घोषित अपराधी महिला कमलेश उर्फ काजल गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (पूर्वी रेंज-क्कक) ने एक घोषित महिला अपराधी कमलेश उर्फ काजल (41) निवासी मौजपुर, दिल्ली को गिरफ्तार किया है, जो तीन आपराधिक मामलों में फरार चल रही थी। पुलिस के अनुसार, कमलेश कुख्यात अपराधी रमेश उर्फ कल्लू की पत्नी है, जो फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। कमलेश के खिलाफ एफआईआर संख्या 12/18 (क्राइम ब्रांच), एफआईआर संख्या 192/12 (साकेत थाना) में न्यायालय ने उसे 2023 में भगोड़ा घोषित किया था। बाद में एफआईआर संख्या 485/2023 (धारा 174ए आईपीसी) भी साकेत थाना में दर्ज की गई। क्राइम ब्रांच डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि 7 जनवरी 2018 को सीमापुरी में छापेमारी के दौरान कमलेश ने अपने साथियों के साथ पुलिस टीम पर हमला किया और एक अन्य आरोपी को भगाने की कोशिश की थी। उस पर अदालत में आरोप पत्र दायर हुआ, लेकिन वह सुनवाई से पहले ही फरार हो गई।

गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपना पता और मोबाइल नंबर बदलती रही। स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी के माध्यम से टीम ने उसे ट्रैक किया और पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने शातिर वाहन चोर किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य जिला की दरियागंज थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जतिन (22) निवासी दक्षिणपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। इनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल और दो चोरी की स्कूटियाँ बरामद की गई हैं। डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि मामला 5 अगस्त 2025 को दरियागंज इलाके के अंसारी रोड से स्प्लेंडर बाइक चोरी का है, जिसकी रिपोर्ट थाना दरियागंज में दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल निगरानी के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। इसी दौरान सूचना मिली कि दो संदिग्ध दक्षिण पुरी से आसफ अली रोड पर स्नैचिंग की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने जेएलएन मार्ग पर जाल बिछाया और जैसे ही संदिग्ध पहुँचे, कार्रवाई करते हुए एक आरोपी जतिन को चोरी की बाइक सहित पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। डीसीपी के अनुसार, पूछताछ में जतिन ने कई वाहन चोरियों में संलिप्तता कबूली और उसकी निशानदेही पर चोरी के वाहन बरामद किए गए। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

काम दिलाने के बहाने साइबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम जिला साइबर थाना पुलिस ने 'वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर फर्जी नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पार्थ भाटिया (24), निवासी मोती नगर, पश्चिमी दिल्ली के रूप में हुई है।

डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई मॉडल टाउन निवासी अंशुला शर्मा की शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि व्हाट्सएप के जरिए एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे संपर्क कर 15,000 रुपए का 'सिक्योरिटी शुल्क' और नौकरी के लिए आवश्यक 'अपग्रेड' के नाम पर उनका एप्पल मैकबुक ठग लिया। आरोपी ने रैपिडो पिकअप की व्यवस्था कर डिवाइस मंगवाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान साइबर सेल टीम ने व्हाट्सएप आईपी लॉग, रैपिडो रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया और अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद हुआ। डीसीपी के अनुसार, पूछताछ में पार्थ ने स्वीकारा कि वह जुए की लत के चलते साइबर ठगी में लिप्त था। आरोपी द्वारा उपयोग किया गया व्हाट्सएप नंबर कई अन्य साइबर शिकायतों से भी जुड़ा पाया गया है। पुलिस आरोपी की अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है।

चोरी की बाइक समेत दो कुख्यात गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिले के जेपी कलां थाने की पुलिस टीम ने एक नाकेबंदी के दौरान चोरी की बाइक समेत दो पुराने अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद साहिल उर्फ मुल्ला (27) और जयदीप उर्फ बाला (23) के रूप में हुई है, जो नजफगढ़ के रहने वाले हैं।

डीसीपी अंकित सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 29 जुलाई 2025 की रात करीब 11:30 बजे, पुलिस ने आरटीआरएम अस्पताल के पास बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक पर दो संदिग्धों को देखा। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर दोनों भागने लगे, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें धर दबोचा। जांच में पता चला कि बाइक थाना नांगलोई से चोरी की गई थी। डीसीपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने थाना जेपी कलां, नांगलोई और छावला थाना क्षेत्रों में चोरी और सेंधमारी के कुल 9 मामलों में संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने 2 पंखे, बाइक, दस्तावेज और अन्य सामान बरामद किया है। आरोपियों पर पहले से भी दर्जनों मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियों को कोर्ट की अनुमति से पुलिस हिरासत में भेजा गया है और आगे की जांच जारी है।

लक्ष्मी नगर में वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी जिले के लक्ष्मी नगर थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर सोनू मंडल (19), निवासी ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर दिल्ली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को एमसीडी पार्क के सामने, पुस्ता सर्विस रोड पर चोरी की मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़ा गया।

डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि पुलिस टीम 5 अगस्त 2025 को रात 9 बजे क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, जब उन्होंने संदिग्ध हालत में बाइक सवार को रोका। जांच में पता चला कि बाइक लक्ष्मी नगर थाने में ई-एमवीटी संख्या 020234/25 के तहत दर्ज चोरी के एक मामले से संबंधित है। डीसीपी के अनुसार, पूछताछ में सोनू ने बताया कि वह बेरोजगारी और पैसों की जरूरत के चलते दोपहिया वाहन चोरी करता था और उन्हें अवैध रूप से बेचने का प्रयास करता था। गिरफ्तारी के साथ एक मोटर वाहन चोरी का मामला सुलझा लिया गया है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जांच में पता चला कि वाहन चोरी का है और आरोपी पहले भी दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

साइबर पुलिस ने पांच कुख्यात जालसाजों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड मामले का पदार्फाश करते हुए जोधपुर/बालोतरा गिरोह के पांच कुख्यात जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में रविंद्र विश्नोई (गिरोह का सरगना), महिपाल, मोहम्मद यासीन, रोहित निम्बावत उर्फ रोनी उर्फ विक्की और यश वैष्णव शामिल हैं। इनके पास से 10 मोबाइल फोन, 12 प्रॉक्सी सिम कार्ड, 7 खच्चर बैंक खाते, 7 डेबिट कार्ड, 2 जियो राउटर और 3 फर्जी आईडी बरामद की गई हैं।

डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि शिकायतकर्ता से 17.31 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई थी। उसे '971 सीबीओई' नामक टेलीग्राम ग्रुप के जरिए होटल रिव्यू के बहाने निवेश के झांसे में फंसाया गया। शुरूआती लाभ के बाद उसे भारी निवेश के लिए उकसाया गया और रकम वापस लेने पर तकनीकी बहाने बनाकर उसे और रकम जमा करने को कहा गया। पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस, बैंकों और टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी जुटाकर आरोपियों को दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में छापेमारी कर गिरफ्तार किया।

डीसीपी के अनुसार, जांच में पता चला कि गिरोह के सदस्य भारतभर से खच्चर खाते इकट्ठा करते थे और ठगी की रकम को यूएसडीटी के जरिए चीनी गिरोहों को ट्रांसफर करते थे। गिरोह नेपाल और सिंगापुर में भी बैंक खातों की सुविधा प्रदान करता था। गिरोह ने अब तक 42 लाख रुपए से अधिक की साइबर ठगी को अंजाम दिया है। उनसे जुड़े खातों से 7 और एनसीआरपी शिकायतें भी जुड़ी हुई हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह के मास्टरमाइंड रविंद्र विश्नोई को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया। वह फार्मेसी की दुकान की आड़ में ठगी का नेटवर्क चला रहा था। गिरोह के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जांच की जा रही है और आगे की पूछताछ जारी है।

1.081 किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम ज़िले की नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रणजीत (25) और राजेश सिंह (21), दोनों निवासी नाथूपुर, गुरुग्राम (हरियाणा) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.081 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली अफीम और एक मोटरसाइकिल बरामद की है, जिसका इस्तेमाल प्रतिबंधित पदार्थ की डिलीवरी में किया जाता था।

डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि नारकोटिक्स टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि आजादपुर मंडी क्षेत्र में दो ड्रग तस्कर सक्रिय हैं। इस पर इंस्पेक्टर मदन मोहन की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। 3 अगस्त 2025 को, टीम ने गेट नंबर-5, आजादपुर मंडी के पास घेराबंदी कर मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले कुछ महीनों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं और विभिन्न ग्राहकों को मांग के अनुसार सप्लाई करते थे। उनका मकसद जल्दी पैसा कमाना था। दोनों की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं पाई गई है। इस संबंध में महेन्द्र पार्क थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दो अंतरराज्यीय शराब तस्करों को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान सुफियान (27) निवासी शामली, उत्तर प्रदेश और नितिन अधाना (24) निवासी मेरठ, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से 56 पेटियों में भरी कुल 2800 क्वार्टर अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त दो कार जब्त की गई हैं। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 1 अगस्त को तकनीकी व मैनुअल सूचना के आधार पर कंचनजंगा अपार्टमेंट, सेक्टर-23, द्वारका के पास जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को कार सहित दबोच लिया गया। दोनों पहले भी हरियाणा और यूपी में आबकारी अधिनियम के मामलों में लिप्त रह चुके हैं। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे गुरुग्राम सीमा से शराब लाकर दिल्ली में आपूर्ति करते थे। सेक्टर-23 थाना में मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है, ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

सेंधमारी के मामले में एक नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले के गांधी नगर थाना पुलिस ने एक घर में सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों और एक किशोर (नाबालिग) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अमित (22), विकास (19) और सूरज (21) के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चोरी किया गया एक फ्रिज, कूलर और नकदी से भरा बैग बरामद कर लिया गया है।

डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि घटना 5 अगस्त 2025 की है, जब गांधी नगर थाने में एक पीसीआर कॉल के जरिए घर में चोरी की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां पीड़िता ने बताया कि वह सुबह 11 बजे बाजार गई थी और लौटने पर पाया कि घर का ताला टूटा हुआ था और फ्रिज, कूलर तथा 10,000 रुपये नकदी वाला बैग चोरी हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

डीसीपी के अनुसार, पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें चार संदिग्ध घटनास्थल से सामान ले जाते दिखे। टीम ने तत्परता दिखाते हुए तीन युवकों अमित, विकास, सूरज और एक किशोर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे की लत के चलते चोरी को अंजाम देते थे। पुलिस ने बरामद सामान शिकायतकर्ता को सौंप दिया है।

भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है रक्षाबंधन त्योहार

भाई-बहन का पावन त्योहार रक्षाबंधन इस साल 9 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहन भाई को राखी बांधती है। हिंदू धर्म में शुभ मुहूर्त में कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है। रक्षाबंधन के दिन भी शुभ मुहूर्त में राखी बांधना शुभ होता है। इस वर्ष रक्षाबंधन या रखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त प्रात: काल से ही आरम्भ हो जाएगा। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष भद्रा से पूरी तरह मुक्त रहेगा। करीब 40 वर्षों बाद बन रहे इस संयोग की वजह से बहनें बिना किसी दोष के पूरे दिन भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। इस वर्ष रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, सौभाग्य योग, बुधादित्य योग सहित बृहस्पति और शुक्र की युति व चंद्रमा का श्रवण नक्षत्र में गोचर इस दिन को और भी पुण्यदायी बना रहे हैं।

भद्रा का साया नहीं लेकिन राहुकाल की अड़चन

हिंदू धर्म में भद्राकाल में राखी बांधना वर्जित है, लेकिन इस बार रक्षा बंधन के भद्रा सूर्योदय से पूर्व समाप्त हो जाएगी। भद्रा का साया भले ही राखी पर नहीं रहेगा, लेकिन राहुकाल की अड़चन आएगी। ज्योतिष शास्त्र में राहुकाल को भी मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना गया है। 09 अगस्त को राहुकाल सुबह 09 बजकर 07 मिनट से सुबह 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा।

बहनें ऐसे बांधें राखी

रक्षाबंधन के पावन दिन सबसे पहले बहनें बहनें भाई के माथे पर तिलक लगाएं। अक्षत् (चावल) लगाएं। फिर रक्षा सूत्र बांधें। उनका मुंह मीठा अवश्य कराएं। इसके बाद बहनें भाई की आरती अवश्य करें। वहीं भाई भी बहनों को अवश्य कुछ न कछ उपहार दें।

राखी बंधन का शुभ मुहूर्त

रक्षा बंधन पर राखी बांधने के ब्रह्म मुहूर्त से लेकर अन्य शुभ मुहूर्त: रक्षा बंधन पर राखी बांधने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 22 मिनट से सुबह 05 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05 बजकर 47 मिनट से दोपहर 02 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 40 मिनट से दोपहर 03 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 07 बजकर 06 मिनट से शाम 07 बजकर 27 मिनट तक रहेगा।

रक्षाबंधन के दिन मनाई जाएगी नारली पूर्णिमा

हिंदू पंचांग में सावन की पूर्णिमा तिथि न केवल रक्षा बंधन का पावन पर्व लाती है,बल्कि समुद्र देवता से जुड़ा एक त्योहार भी साथ लाती है। यह त्योहार समुद्र से जुड़े समुदाय मनाते हैं, इसे नारली पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। यह दिन मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गोवा, कोंकण और दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में बड़ी श्रद्धा से मनाई जाती है। यह पर्व 9 अगस्त को मनाया जाएगा, ठीक उसी दिन रक्षाबंधन का त्योहार भी है। ऐसे में इसकी धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। माना जाता है कि यह त्योहार मछुआरा समुदाय के लिए बेहद खास होती है।

पूर्णिमा तिथि का आरंभ 08 अगस्त को दोपहर 02.12 बजे होगा, जो 9 अगस्त की दोपहर 01.24 बजे तक रहेगा। चूंकि हिंदू धर्म में उदया तिथि की मान्यता है ऐसे में 9 अगस्त को ही नारली पूर्णिमा मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त-	तड़के 04.22 बजे से 05.04 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त-	तड़के 04.43 से 05.47 बजे तक
विजय मुहूर्त-	दोपहर 02.40 बजे से 03.33 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त-	शाम 07.063 बजे से 07.27 बजे तक

कैसे करनी है इस दिन पूजा?

सुबह जल्दी स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा के स्थान या समुद्र/नदी के किनारे को गंगाजल से शुद्ध करें। अब भगवान वरूण देव की मानसिक स्थापना करें और उनका ध्यान करें। फिर एक नारियल लें और उस पर हल्दी-कुमकुम लगाएं, लाल कपड़ा बाधें और समुद्र देव को अर्पित करें। धूप-दीप, अक्षत, फूल, चंदन और जल से भगवान वरुण की पूजा करें। पूजा के अंत में वरूण देव के मंत्रों (ॐ वरुणाय नम:) का जप करें। अंत में प्रसाद वितरित करें।

गायत्री जयंती पर मंत्र का जाप विशेष फलदायी

गायत्री जयंती साल में दो बार मनाई जाती है। यह ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को और श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। गायत्री जयंती आध्यात्मिक जागरण का पर्व, आत्मा की शुद्धि, विचारों की पवित्रता और आत्मबोध का दिन है। देवी गायत्री सभी वेदों की जननी हैं इसलिए इन्हें वेदमाता कहा गया है। गायत्री मंत्र का जप इस दिन विशेष फलदायी होता है। कहते हैं इस दिन उपवास, मंत्रजप, ध्यान और यज्ञ करने से जन्म-जन्मांतर के पाप मिटते हैं। यहां से आप जान सकते हैं कि सावन की गायत्री जयंती कब है, इसकी पूजा कैसे की जाती है, मंत्र, कथा और आरती भी यहां मौजूद है।

गायत्री मंत्र:
ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥

गायत्री जयंती कब है?

हर साल की तरह साल 2025 में भी दो बार गायत्री जंयती मनाई जा रही है। बात करें सावन के महीने की गायत्री जयंती की तो अगस्त में 9 अगस्त 2025 को गायत्री जयंती है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा जी जब सृष्टि की रचना कर रहे थे, तब उन्हें यज्ञ की आवश्यकता पड़ी। यज्ञ के लिए एक पत्नी की जरूरत थी। उस समय देवी गायत्री ब्रह्मा जी की सहधर्मिणी के रूप में प्रकट हुईं। एक अन्य कथा के अनुसार – महर्षि विश्वामित्र घोर तपस्या में लीन थे। उन्होंने इंद्र सहित देवताओं को भी अपनी तपस्या से विचलित कर दिया। तप से संतुष्ट होकर ब्रह्माजी ने उन्हें गायत्री मंत्र प्रदान किया। गायत्री मंत्र के उच्चारण से उन्हें दिव्य ज्ञान और ब्रह्मतेज की प्राप्ति हुई। इस दिन को ही गायत्री जयंती के रूप में मनाया जाता है।

गायत्री जयंती 2025 पूजन विधि :

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। चौकी में देवी गायत्री की तस्वीर स्थापित करें। देवी गायत्री को तिलक लगाएं, फूल अर्पित करें। देवी गायत्री के समक्ष दीपक जलाएं और धूपबत्ती जलाएं। साथ में गायत्री मंत्र का जाप करें। देवी को फल, मिठाई और अन्य प्रसाद चढ़ाएं। ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान और दक्षिणा दें। प्रसाद को सभी लोगों में बांटे।

बैली फैट से निजात दिला सकते हैं ये वेट लॉस टिप्स

पर्याप्त नींद लें :- जल्दी वेट लॉस करने के लिए ऋषभ सबसे पहले अच्छी नींद लेने की सलाह देते हैं। अपर्याप्त नींद भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को बाधित करके भूख को बढ़ाती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग करने लगता है और उसका वजन बढ़ जाता है। ऐसे में मोटापा कंट्रोल रखने के लिए रोजाना 7-9 घंटे की नींद जरूर लें।

वेट लॉस एक्टिविटी :- वर्कआउट के अलावा की जाने वाली एक्टिविटी असल में आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाती हैं। इसके लिए जिम के अलावा आप 10,000 कदम पैदल चलने और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों से चढ़ने-उतरने का लक्ष्य रखें।

मेडिटेशन करें :- जल्दी हेल्दी वेट लॉस के लिए स्ट्रेस फ्री रहने की सलाह देते हैं। लंबे समय तक तनाव में रहने से पेट और उसके आसपास की जगह पर चर्बी जमा होने लगती है। ऐसे में तनाव कम करने के लिए रोजाना 10 मिनट मेडिटेशन करने की कोशिश करें। यह आपका तनाव दूर करके जादुई तरीके से वेट लॉस करने में मदद करता है।

जंक फूड से बनाएं दूरी :- भूख लगने पर अगर आप कुछ भी खा लेते हैं तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल डालिए। अगर आप असल में अपना वजन कम करना चाहते हैं तो उसकी शुरुआत सबसे पहले किचन से रखे जंक फूड को हटाकर करें।

क्रैश डाइट से बचें :- क्रैश डाइट करने से भले ही कुछ समय के लिए वेट लॉस में मदद मिल सकती हो,लेकिन यह लंबे समय में आपके मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकती है। एक हेल्दी वेट लॉस के लिए व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना जरूरी है।

बढ़ता मोटापा आज हर दूसरे व्यक्ति के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। बिजी लाइफस्टाइल और खानपान की खराब आदतों ने इस समस्या को और ज्यादा बढ़ा दिया है। घंटों एक जगह बैठकर काम करने से व्यक्ति की कमर के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। जो ना सिर्फ देखने में खराब लगती है,बल्कि सेहत से जुड़े कई रोगों की भी घंटी हो सकती है। आमतौर पर एक हेल्दी वेट लॉस के लिए हेल्थ एक्सपर्ट किचन से जंक फूड हटाने की सलाह देते हैं। अपनी रोजमर्रा की आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप बड़ी आसानी से अपना वेट लॉस कर सकते हैं। बैली फैट कम करने के लिए 6 असरदार टिप्स जिन्हें फॉलो करके कोई भी बड़ी आसानी से अपना कई किलो वजन कम कर सकता है। बैली फैट से निजात दिला सकते हैं ये वेट लॉस टिप्स

खजूर और नट्स के लड्डू

रक्षाबंधन के मौके पर घर में मिठाई न रहे ऐसा हो ही नहीं सकता है, क्योंकि ये मिठाई भाई बहन के रिश्ते में मिठास घोलने का काम करती है. लेकिन हर बार बाजार से मिठाई लाना न तो बजट फ्रेंडली होता है और न ही हेल्थ। लेकिन अगर घर में भी मिठाई बनाई जाए तो लोगों के सामने सबसे बड़ी दुविधा ये होती है कि बिना चीनी के कौन सी मिठाई बनाई जाए। क्योंकि कई लोग हेल्थ को ध्यान में रखते हुए शुगर फ्री मिठाई को ही ज्यादा प्रीफर करते हैं। अगर आप भी इस रक्षा बंधन बिना चीनी के मिठाई ऐसी बनाना चाहते हैं जो टेस्ट होने साथ साथ यूनिक भी हो तो यह खबर आपके लिए है। जी हां आज हम आपको खजूर और नट्स लड्डू बनाने की पूरी विधि बताएंगे। खास बात ये है कि इस मिठाई को बनाने के लिए चीनी की जरूरत होती ही नहीं है।

जरूरी सामग्री

1 कप खजूर (बीज निकालकर), 1/4 कप बादाम, 1/4 कप काजू, 1/4 कप अखरोट, 1/4 कप पिस्ता, 1 चम्मच घी, 1/2 चम्मच इलायची पाउडर

कैसे बनाएं खजूर और नट्स के लड्डू

सबसे पहले सभी ड्राई फ्रूट्स को बारीकी से काट लें या हल्का दरदरा पीस लें। एक पैन में 1 चम्मच घी डालकर ड्राई फ्रूट्स को हल्का सा भून लें जब तक उसमें से खुशबू आना न शुरू हो जाए। खजूर को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब खजूर का पेस्ट उसी पैन में डालें और 3-4 मिनट तक ड्राई फ्रूट्स के साथ मिलाएं। जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए और पैन छोड़ने लगे, तो गैस बंद कर दें। हल्का ठंडा होने पर हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

खास टिप

आप चाहें तो इसमें चिया सीड्स या फ्लैक्स सीड्स भी मिलाकर इसे और ज्यादा हेल्दी बना सकते हैं। एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें, 7-10 दिन तक फ्रेश रहते हैं।

प्रोटीन से भरपूर हैं वेज सैंडविच

अगर आप अपने सैंडविच में कुछ खास चीजें डालती हैं, तो झटपट आप एक प्रोटीन रिच सैंडविच भी बना सकती हैं। यहां हम आपको वेज सैंडविच के ऑप्शन बता रहे हैं, जो हेल्दी होने के साथ साथ काफी टेस्टी भी हैं।

प्रोटीन से भरपूर सैंडविच

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में हर कोई कुछ ऐसा चाहता है, जो झटपट बन भी जाए और हेल्दी भी हो। सैंडविच इन दोनों डिमांड में फिट बैठता है। बेस्ट बात है कि घर के बच्चों से ले कर बड़े तक, मजे से सैंडविच खाते हैं। टेस्ट के अलावा अब जरा हेल्थ की बात करते हैं। तो अगर आप अपने सैंडविच में कुछ खास चीजें डालती हैं, तो झटपट आप एक प्रोटीन रिच सैंडविच भी बना सकती हैं। यहां हम आपको वेज और नॉन वेज, दोनों तरह के कुछ ऑप्शन बता रहे हैं, जो हेल्दी होने के साथ साथ खूब टेस्टी भी हैं।

पनीर भुर्जी सैंडविच

पनीर एक अच्छा वेज प्रोटीन का सोर्स है और काफी टेस्टी भी लगता है। ऐसे में आप पनीर की भुर्जी बना सकती हैं, जिसमें पनीर को क्रश कर के उसे प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और हल्के मसालों के साथ फ्राई किया जाता है। इस भुर्जी को ब्रेड में फिल करें और टोस्ट कर लें, तैयार है आपका वेज प्रोटीन पनीर सैंडविच।

हम्मस वेज सैंडविच

हम्मस वेज सैंडविच बनाने के लिए उबले हुए छोले लें और इनमें ऑलिव ऑयल, नींबू का रस, लहसुन, तिल और थोड़ा सा नमक डालकर मिक्सर में पीस लें। आपकी क्रीमी प्रोटीन रिच स्प्रेड तैयार है। अब इसे ब्रेड पर मक्खन की तरह लगाएं और उपर कई हुई सब्जियां डालकर फिल करें। बहुत ही टेस्टी सैंडविच बनकर तैयार होता है।

मूंग स्प्राउट सैंडविच

मूंग स्प्राउट सैंडविच बनाने के लिए स्प्राउट्स में प्याज, टमाटर, हरा धनिया और चाट मसाला मिलाकर एक फिलिंग तैयार करें। अब इसे ब्रेड में डालकर उसे ग्रिल कीजिए। झटपट बनकर तैयार है आपका प्रोटीन और फाइबर से भरपूर स्वादिष्ट सैंडविच।

सोया सैंडविच

इसे बनाने के लिए सबसे पहले सोयाबीन चंक्स को क्रश कर लें यानी उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें, उसमें लहसुन अदरक का पेस्ट, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, हल्के मसाले और सोया चंक्स डालकर एक फिलिंग बना लें। इसे ब्रेड में फिल करें और ब्रेड को सेंक लें। ये प्रोटीन और स्वाद से भरपूर सैंडविच है।

पीनट बटर सैंडविच

बिल्कुल भी टाइम नहीं है और झटपट कुछ हेल्दी सा बनाना है, तो पीनट बटर सैंडविच बना लें। इसके लिए बस ब्रेड पर पीनट बटर स्प्रेड करें और ऊपर से कुछ कटी हुई बनाना की स्लाइसेज रखें। मीठे के शौकीन हैं, तो ये प्रोटीन रिच सेंडविच आपका फेवरिट बन जाएगा।

बेसन चीला सैंडविच

कुछ अलग हटकर, टेस्टी सा खाने का मन है तो बेसन चीला सैंडविच ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक सिंपल बेसन चीला बनाकर तैयार कर लें। अब इसे फिलिंग की तरह ब्रेड के बीच रखें, उसमें हल्का सा चाट मसाला, ढेर सारी सब्जियां रखें और ब्रेड को हल्का टोस्ट कर लें। जो बच्चे हेल्दी के नाम से दूर भागते हैं, वो भी बड़े चाव से इसे खाएंगे।

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आई थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

हर बार टूटने के बाद भी...

अक्षरा सिंह ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अक्सर वे यहां अपने स्टाइलिश लुक शेयर करती हैं, साथ ही अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट भी शेयर करती दिखती हैं। सोमवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ क्रिप्टिक कैप्शन लिखा है। टूटने के बाद कोमल दिल के साथ जीना हिम्मत है अक्षरा सिंह ने आज सोमवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। वे ट्रेडिशनल लुक में दुपट्टा फ्लॉन्ट करते हुए पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, कठोर होना आसान है इस दुनिया में, पर हर बार टूटने के बाद भी कोमल दिल के साथ जीना, वह हिम्मत है।

नेटिजन्स दी ऐसी प्रतिक्रिया

अक्षरा सिंह ने अपने पोस्ट के साथ लिखा है, दूसरों के प्रित करुण रहें। नेटिजन्स की इस पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। अधिकांश लोग रेड हार्ट इमोजी बना रहे हैं। उनके लुक के साथ-साथ कैप्शन की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सही कहा अक्षरा बहन। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अक्षरा अब आपको बॉलीवुड जाना चाहिए।

पवन सिंह से जुड़ चुका है नाम

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की निजी जिंदगी की अगर बात करें तो उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ जुड़ चुका है। कभी अक्षरा सिंह और पवन सिंह का कथित अफेयर खूब सुर्खियों में रहा। दोनों ने साथ में फिल्मों में काम भी किया। हालांकि, अब दोनों की राहें जुदा हैं। दोनों का ब्रेकअप एक बुरे मोड़ पर आकर हुआ। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह पर मारपीट और हिंसा जैसे कई गंभीर के आरोप भी लगाए थे।

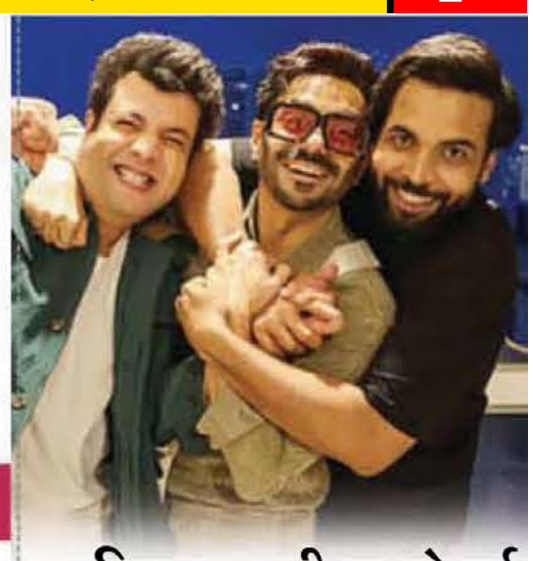

इम्तियाज अली ला रहे नई फिल्म, 'साइड हीरोज' बनेंगे अभिषेक बनर्जी-अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा तीनों अलग-अलग फिल्मों में अपने-अपने किरदारों के लिए काफी मशहूर है। अब ये तीनों एक ही फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म को दिग्गज निर्माता-निर्देशक इम्तियाज अली प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म का नाम 'साइड हीरोज' होगा।

मेकर्स ने शेयर किया फनी वीडियो

मेकर्स की ओर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा इम्तियाज अली के सामने बैठे हैं और उनसे काम मांग रहे हैं। इम्तियाज बैठे कुछ सोच रहे हैं, तभी अपारशक्ति कहते हैं कि लगता है कि इम्तियाज सर हमारे लिए एक म्यूजिकल रोमांटिक सोच रहे हैं। इसके बाद तीनों अपारशक्ति का गाना भी गुनगुनाते हैं। वीडियो में और भी मेकर्स बैठे हैं। इस दौरान इम्तियाज कहते हैं कि फिल्म दो प्रकार की होती है या तो अपना लगे या फिर सपना लगे। तभी इम्तियाज के पास उनके किसी पुराने दोस्त का फोन आता है। फोन पर इम्तियाज और उसकी मजेदार बात होती है और अंत में वो इम्तियाज को अपने क्लास के री-यूनियन के बारे में बताता है और उस पर उन्हें बुलाता है। दोस्तों की री-यूनियन पर फिल्म लेकर आ रहे इम्तियाज बात करने के बाद इम्तियाज अली कहते हैं कि एक आइडिया है, दोस्तों पर फिल्म बनाते हैं। ये सुनकर अभिषेक, अपारशक्ति और वरुण शर्मा अपनी पिछली फिल्मों के किरदारों को याद करके दुखी हो जाते हैं और कहते हैं फिर से दोस्त। फिर इम्तियाज कहते हैं वैसे वाले दोस्त जिनसे आप जिंदगी भर पीछा नहीं छुड़ा सकते। इन दोस्तों का री-यूनियन। इसके बाद इम्तियाज फिल्म का टाइटल बताते हैं 'साइड हीरोज'। ये सुनकर तीनों कहते हैं कि मम्मी को तो लीड एक्टर बनने का बताकर आए थे। इस तरह से फिल्म का टाइटल साइड हीरोज सामने आता है।

तीन दोस्तों की कहानी है 'साइड हीरोज'

सिद्धार्थ सेन और पंकज मट्टा द्वारा लिखित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित 'साइड हीरोज' 2026 में फ्रेंडशिप डे पर रिलीज होगी। मेकर्स ने बताया कि फिल्म तीन बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो कॉमेडी टच लिए हुए है। तीन दोस्त जो कई साल बाद एक री-यूनियन में फिर से मिलते हैं। 'साइड हीरोज' का निर्माण इम्तियाज अली ने महावीर जैन, मृगदीप सिंह लांबा और रियान शाह के साथ मिलकर किया है। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने की उम्मीद है।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है।

सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज, लास्ट वर्ल्ड वार को रोकने आगे आए प्रतीक

प्रतीक गांधी स्टारर जासूसी वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोमवार को यह ट्रेलर नेटफ्लिक्स इंडिया ने रिलीज किया है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच ड्रामा और परमाणु संघर्ष की झलक दिखाई गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष की है कहानी

ट्रेलर में प्रतीक गांधी ने भारत के रॉ एजेंट का किरदार निभाया है। उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैनात किया गया है। वह पाकिस्तान में होने वाली परमाणु गतिविधि को रोकने की कोशिश करते हैं। इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है।

प्रतीक गांधी पाकिस्तान में करते हैं संघर्ष

प्रतीक गांधी जैसे ही पाकिस्तान में राजनयिक मामलों के करीब पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात पाकिस्तान के आईएसआई एजेंट से होती है। इस किरदार को सनी हिंदुजा ने निभाया है। पाकिस्तान में प्रतीक गांधी जो कुछ भी करते हैं उनके दुश्मन उनकी हर गतिविधि पर नजर रखते हैं।

सारे जहां से अच्छा की स्टारकास्ट

ट्रेलर में गांधी और हिंदुजा के अलावा तिलोत्तमा शोम, कृतिका कामरा, रजत कपूर और अनूप सोनी को भी दिखाया गया है। सारे जहां से अच्छा सीरीज को गौरव सुक्ला ने बनाया है।

सारे जहां से अच्छा की रिलीज डेट सामने आई

ट्रेलर में दिखाया गया है कि अगर भारत के एजेंट जरा सा भी चूके तो पाकिस्तान परमाणु जंग शुरू कर सकता है। ऐसे में भारतीय एजेंट को पाकिस्तानी दुश्मनों को परमाणु हथियार बनाने से रोकना होता है। लास्ट वर्ल्ड वार सीरीज में सभी किरदारों ने बेहतरीन कलाकारी की है। सारे जहां से अच्छा 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

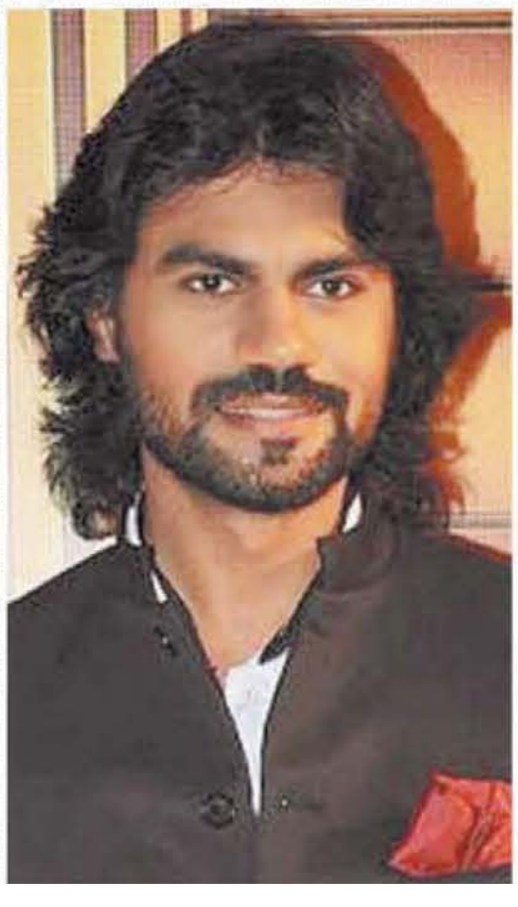

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

छोटे पर्दे पर ऐक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपॉसिबल से वापसी की है।

आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे?

सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफार्म में, किसी ऐक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुक्री की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो ऐक्टर कहलाना चाहता हूं, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूं। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये ऐक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रहीं 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कोविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था।

क्योंकि अपने कोविड की शुरूआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शक की सोच टीवी शोज और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं?

ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा।

आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

जी काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे ऐक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को 15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनो। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक अडजस्टमेंट की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस अडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरुक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन वाला है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शोक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।

सभी क्षेत्रवासियों को

Happy रक्षाबंधन

की हार्दिक शुभकामनाएं

निकेता भाटी

नंदिनी भाटी

एपेक्स इंटरप्राइजेज

डी-35, ओमेक्स इंडिया ट्रेड सेंटर, अल्फा-2, ग्रेटर नोएडा